श्रीः ।

राजस्थान इतिहास ।

दूसरा भाग.

जिसमें

जोधपुर, बीकानेर, जैसलमेर, जयपुर, शेखावाटी, कोटा, बूँदी का
और ग्रंथकारके भ्रमणका वृत्तान्त है.

जिसको

अनेक ग्रंथोंके निर्माता तथा टीकाकार हिन्दीहितैषी जगद्विख्यात
मुरादाबादनिवासी स्वर्गीय पण्डित बलदेवप्रसाद मिश्रने
कर्नेल जेम्स टॉड प्रणीत अंग्रेजी ग्रन्थ राजपूत जातिके
इतिहाससे हिन्दीभाषामें अनुवाद किया

और

विद्यावारिधि पं० ज्वालाप्रसादजी मिश्रने शुद्ध किया

तथा

राय मुन्शी देवीप्रसादजी जोधपुरनिवासीने भी टिप्पणी देकर शुद्ध किया

और

लोकोपकारार्थ

खेमराज श्रीकृष्णदासने

बम्बई

निज "श्रीवेङ्कटेश्वर" स्टीम्-मुद्रणयन्त्रालयमें

मुद्रित कर प्रसिद्ध किया।

संवत् १९८२, शके १८४७.